(ग) वाणिज्य वर्ग–कक्षा–12

अधिकोषण तत्व

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2020–21 में समय से विद्यालयों में पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

इकाई–1–अधिकोषण– बैकिंग व्यवसाय का संगठन।
इकाई–2–ऋण हेतु दी जाने वाली जमानतें, बैंकों का आर्थिक चिट्ठा।
इकाई–3–भारतीय अधिकोषण– भारतीय संयुक्त स्कन्ध बैंक, विदेशी विनिमय बैंक।
इकाई–4–भारतीय मुद्रा बाजार– भारतीय बैंकिंग विकास की रूपरेखा।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

इस विषय में केवल एक प्रश्नपत्र 100 अंकों का और समय तीन घंटे का होगा। न्यूनतम उत्तीर्णांक 33

इकाई–1–अधिकोषण–परिभाषा, उत्पत्ति और विकास। बैंक के कार्य जमा, ऋण तथा अन्य सेवायें। चालू स्थायी और बचत खाते। बैंक बिल, प्रतिज्ञा–पत्र तथा हुण्डियों का विस्तृत अध्ययन बैंकों द्वारा चेकों और बिलों का समाशोधन। 30 अंक

इकाई–2–बैंकों द्वारा पूंजी का प्रयोग, नकद कोष, विनियोजन तथा ऋणदान। बैंक विफलता और बैंक संकट। भारत में बैंकों का संकट काल। 20 अंक

इकाई–3–भारतीय अधिकोषण–भारत में बैंकिंग व्यवसाय का विकास, कृषि औद्योगिक एवं व्यापारिक बैंकों की

अर्थ व्यवस्था, ऋणदाता, देशी बैंकर और सहकारी साख समितियां। चिटफण्ड तथा सरकारी तकावी। भूमि बन्धक बैंक, औद्योगिक बैंक, स्टेट बैंक आफ इण्डिया, रिजर्व बैंक आफ इण्डिया, डाक घर की बैंक सम्बन्धी सेवा। 30 अंक

इकाई–4–भारतीय मुद्रा बाजार–इसके मुख्य अंग, दोष एवं सुधार। 20 अंक

पुस्तकें–कोई भी पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालयों के प्रधान विषय अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।